CLASS 12TH हिन्दी

1.बातचीत (निबंध)

(लेखक -बालकृष्ण भट्ट)

सारांश और प्रश्न उत्तर याद करने की ट्रिक

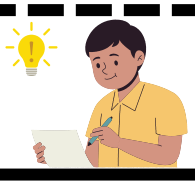

1. "वा" – वाक्शक्ति नहीं होती तो क्या होता
2. "बा" – बातचीत क्यों जरूरी है
3. "रॉ" – रॉबिन्सन क्रूसो की कहानी
4. ए" – एडिसन और बेन जॉनसन के विचार
5. "भा" – भारत में बातचीत के रंग
6. ते" – तेज और सीधे छात्र
7. "सु" – सुधगोष्ठी की शैली
8. "म" – मन और वाणी का संबंध
9. "म" – मन और वाणी का संबंध
10. "सा" – सार यही है

प्रश्न

1.अगर हममें वाक्शक्ति न होती, तो क्या होता ?
2.बातचीत के संबंध में बेन जॉनसन और एडीसन के क्या विचार हैं
3.'आर्ट ऑफ कनवरसेशन' क्या है ?
4.मनुष्य की बातचीत का उत्तम तरीका क्या हो सकता है ? इसके द्वारा वह कैसे अपने लिए सर्वथा नवीन संसार की रचना कर सकता है ?
5 (क) व्याख्या करें – "हमारी भीतरी मनोवृत्ति प्रतिक्षण नए-नए रंग दिखाया करती है...
(ख)व्याख्या करें – "सच है, जब तक मनुष्य बोलता नहीं तब तक उसका गुण-दोष प्रकट नहीं होता।
6.इस निबंध की क्या विशेषताएँ हैं
7.स्पीच वक्तृता और बातचीत में क्या अंतर है ?
8.लेखक ने बातचीत में स्पीच की संजीदगी को बेकदर धक्के खाते फिरती है क्यों कहा ?
9.लेखक के अनुसार हमें बातचीत की आवश्यकता क्यों है ?
10. रॉबिन्सन क्रूसा कौन था ?
11.बातचीत के विषय में बेन जॉनसन के मत क्या थे ?
12.'रामरमौवल' किसे कहा गया ?

सारांश

भगवान ने इंसान को बहुत सारी खूबियाँ दी हैं, लेकिन बोलने की ताकत(वाक्शक्ति) सबसे खास है। सोचिए अगर हम बोल ही न पाते, तो क्या होता? हमारी स्थिति जैसे पशुओं सी होती और हमें लुंज-पुंज अवस्था में एक कोने में बैठा दिया गया होता और हम अपने मन की बात या कोई भी बात किसी से कह ही नहीं पाते। सब कुछ अंदर ही दबा रह जाता और पूरी दुनिया जैसे गूँगी सी हो जाती। वाक्शक्ति के दो रूप होते हैं – एक है औपचारिक वक्तृता (स्पीच) और दूसरा सहज बातचीत (संलाप)। स्पीच का उदेश्य सुनने वाले के मनों में जोश और उत्साह पैदा करना होता है और इसमें करतलध्वनि आवश्यक होती है जबकि बातचीत घरों में लोगों के साथ मन रमाने का एक ढंग है जिसके द्वारा लोग अपने मन से मवाद या धुआँ को निकाल मनों को हल्का करतें हैं इसलिए लेखक कहतें हैं की जिस तरह से हमरे लिए खाने ,पिने ,चलने ,फिरने आदि की जरूरत होती है उसी प्रकार हमारे लिए बातचीत भी बहुत आवश्यक है और इसलिए बातचीत के सामने स्पीच की संजीदगी(समझदारी) बेकदर धक्के खाते फिरती है। रॉबिन्सन क्रसो की कहानी इस बात का प्रमाण है है – जिसने 16 वर्षों तक इंसान की आवाज नहीं सुनी थी। जब उसने पहली बार किसी मनुष्य (फ्राइडे) की बात सुनी तो उसे लगा जैसे वह फिर से 'मनुष्य' बन गया हो। वहीँ बातचीत के सम्बन्ध में एडिसन और बेन जॉनसन जैसे विचारकों ने भी अपनी राय दी है जहाँ एडिसन के अनुसार असल बातचीत केवल दो व्यक्तिओं के बिच ही हो सकती है यदि कोई तीसरा आय तो वे दोनों अपनी बातों को खत्म कर उसे मुर्ख बनाने वाली बातें करने लगतें हैं। और कहीं चार हो गए तो वह बात राम रमौवल ही कहलाएगी। वहीँ बेन जॉनसन का कहना है की जब तक मनुष्य बोलता नहीं तब तक उसका गुण दोष प्रकट नहीं होता। चाहे पत्र के माध्यम से हम कितनी ही बातें क्यों न कर लें। यानि बोलने से ही मनुष्य के रूप का साक्षात्कार होता है। और इसी कारण हमें अलग-अलग जगह बातचीत के अलग अलग स्वरुप देखने को मिलते है। भारत के लोगों में बातचीत के कई स्वरूप देखने को मिलते हैं,बुजुर्ग पुराने ज़माने की बातें करते हैं और शिकायत दादियाँ-नानियाँ बहुओं की शिकायतें करती है,लड़कियाँ सहेलियों से दिल की बात करती हैं,लड़के खेल-कूद और अपनी शान की बातें करते हैं,विद्यार्थी अपने नंबर, ज्ञान या टीचर को लेकर बात करते हैंऔर जो थोड़ा ज़्यादा तेज होते हैं, वो दूसरों को कुछ नहीं समझते जबकि जो थोड़े कमज़ोर होते हैं, वो हर किसी को अपना गुरु मानते हैं यूरोप के लोग में बातचीत एक कला(हुनर) के रूप में दिखाई पड़ता है। आर्ट ऑफ़ कन्वर्सेशन - बातचीत करने की कला को आर्ट ऑफ़ कन्वर्सेशन कहतें हैं।सुधगोष्ठी - जब भी वह बात करता, तो उसकी राय या सुझाव बहुत सही, समझदारी भरे और तर्कसंगत होते थे। उसकी बातों में गहराई और सच्चाई होती थी।वह अच्छा श्रोता भी था। वह सामने वाले को पूरे धैर्य से सुनता, बात को समझता और फिर ही उत्तर देता था – बिना टोकने के।उसकी बातों में लॉजिक (तर्क) होता था, लेकिन वह कभी यह नहीं चाहता था कि दूसरे को गलत साबित किया जाए।उसका उद्देश्य होता था कि सच्चाई सामने आए, न कि बहस करना।अंत में लेखक बातचीत का उत्तम तरीका बतातें हैं क्योंकि उनका मनाना है की हमारी भीतरी मनोविरति प्रति क्षण नए-नए रंग दिखाया करती है। और जिसके अनुसार हमरी जिह्वां उसके अनुसर कतरनी के तरह हमेसा चलती रहती है यदि हमने इसे काबू न किया तो ये बड़े से बड़े शत्रु भी बना सकती है और यदि हमने इसे काबू कर लिया तो हम बड़े से बड़े क्रोध वाले शत्रु को भी वस में सकतें हैं। चूँकि बातचीत करने के लिए दो व्यक्ति चाहिए और हम बिना किसी के इक्षा के बात करना चाहें तो यह सही नहीं होगा इसलिए हमे अपने अंदर ऐसी वाक्शक्ति पैदा करनी चाहिए की हमारा मन अपने आप से बात कर लिया करें। और यही इस निंबंध की विशेषता है।

बालकृष्ण भट्ट का जीवन परिचय

पूरा नाम :-बालकृष्ण भट्ट
जन्म :-23 जून 1844
निवास -स्थान :-इलाहबाद उत्तरप्रदेश
पिता :-बेनी प्रसाद भट्ट (व्यापारी)बालकृष्ण भट्ट की
माता :-पार्वती देवी (सुसंस्कृत महिला)
भाषा :-हिन्दी संस्कृत अंग्रेजी फारसी
पेशा :-पत्रकार ,नाटकर ,उपन्यासकार ,निबंधकार आदि
युग :-भारतेन्दु युग
शिक्षा :-
(1)प्रारंभ में संस्कृत का अध्ययन
(2)1867 में प्रयाग के मिशन स्कुल से एंट्रेस की परीक्षा दी
वृति :-(1)1869 से 1875 तक प्रयाग के मिशन स्कुल में अध्यापन
(2)1885 में प्रयाग के सी० ए० वी० स्कुल में संस्कृत का अध्यापन
(3)1888 में प्रयाग के कायस्थ पाठशाला इंटर कॉलेज में अध्यापक किन्तु उनके उग्र स्वभाव के कारन उन्हें नौकरी छोरनी परी उसके बाद से ही वे लेखन कार्य पर ही निर्भर हो गए
विशेष परिस्थिति :-(1)पिता के निधन के बाद पैतृक व्यपार सँभालने के नाम पर गृहकला का सामना करना
(2)पिता घर छोड़कर आर्थिक संकट से जूझते हुए हिम्मत से काम लिया और साहित्य के प्रति समर्पित रहे
रचनात्मक सक्रियता :-(1)भारतेन्दु हरिशचंद्र की प्रेरणा से हिंदी वर्द्धिनी सभा की ओर से 1877 में हिंदी प्रदीप नामक पत्र निकालना प्रारंभ किया (वे इसे 33 वर्षो तक चलाते रहे)
(2)1881 में वेदों की युक्तिपूर्ण समीक्षा की
(3)1886 में लाला श्री निवास दास के संयोगिता स्वयंवर की कठोर आलोचना की
(4)जीवन के अंतिम दिनों में हिंदी शब्दकोश के संपादन के लिए श्याम सुन्दर दास द्वारा कशी आमंत्रित
रचनाएँ :-
उपन्यास :-रहस्य कथा ,नूतन ब्रह्मचारी ,सौ अजान एक सुजान ,गुप्त वैरी ,रसातल यात्रा ,उचित दक्षिणा ,हमारी घड़ी ,सदभव का अभाव
नाटक :पद्मावती- ,किरातार्जुनीय ,वेणी संहार ,शिशुपाल वध ,नल दमयंती या दमयंती स्वयंवर ,शिक्षादान ,चन्द्रसेन ,सीता वनवास ,पतित पंचम ,मेघनाद वध ,कटटर सुम की एक नकल ,वृहन्नला ,इग्लैंडेशवरी और भारत जननी ,भारतवर्ष और कलि ,दो दूरदेशी ,एक रोगी और एक वैध ,रेल का विकट खेल ,बालविवाह आदि |
प्रहसन :-जैसा काम वैसा परिणाम ,नई रोशनी का विष ,आचार विडंबन आदि
निबंध :-1000 के आस -पास जिसमे सौ से ऊपर बहुत मत्वपूर्ण (भट्ट निबंधमाला नाम से दो खंडो में एक संग्रह प्रकाशित)
नोट :-बालकृष्ण भट्ट सामाजिक -साहित्यिक -नैतिक -राजनितिक विषयो पर निबंध लिखते रहे |
नोट :-आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने निबंधकार के रूप में उन्हें अंग्रेजी साहित्य के एडीसन और स्टील की श्रेणी में रखा है

CHOTI 4 IN 1 CLASSES

शब्दार्थ

1.वक्तृता :-बोलने की कला,
2.पुलपिट :-पायदान
3.पुण्याहवाचन :- धार्मिक कर्मकांड में मांगलिक श्लोक पढ़ना
4.नांदीपाठ :-नाटक के प्रारंभ में मंगल पाठ
5.खामख्वा :-बेमतलब, बर्बस
6.संलाप :-हार्दिक बातचीत
7.संजीदगी :-गंभीरता
8.बेकदर :-सम्मानहीन
9.आभ्यंतरिक :-हार्दिक, आंतरिक
10.निरस्त :- बंद कर देना, स्थगित कर देना
11.फॉर्मेलिटी :- औपचारिकता
12.लियाकत :-योग्यता
13.हमचुनी दीगरे नेस्त :-हम ही सब कुछ हैं दूसरा कुछ भी नहीं, एकोह द्वितीयो नास्ति
14.बिचवई :-मध्यस्थता
15.चंडूखान :-अफीम खानेवाले लोगों की मंडली के लिए सुरक्षित स्थान
16.दिलजोई :- मनबहलाव
17.सारगर्भित :-जिसमें कुछ सार या तत्त्व हो
18.प्रपंचात्मक :-उलझा हुआ, पहेलीनुमा
19.दुर्घट :- ऐसा कुछ जिसके घटित होने की आशा न हो
20.चमनिस्तान :- हरे-भरे बागों का इलाका
21.कतरनी :-कैंची
22.सोपान :- सीढ़ी
23.बरकते हुए :-बरतते हुए

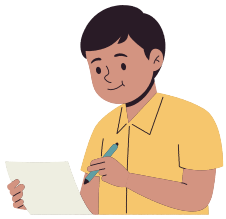

CLASS 12TH हिन्दी

1.बातचीत

(प्रैक्टिस सेट)

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

1. बातचीत निबंध किसने लिखा है?

A) भारतेंदु हरिशचंद B) जयशंकर प्रसाद

C) बालकृष्ण भट्ट D) प्रेमचंद

2. बालकृष्ण भट्ट का जन्म कब हुआ?

A) 1 जनवरी 1850 B) 23 जून 1844

C) 5 मार्च 1835 D) 10 अक्टूबर 1840

3. बालकृष्ण भट्ट का निवास-स्थान कहाँ है?

A) कानपुर B) वाराणसी

C) इलाहाबाद D) लखनऊ

4. बालकृष्ण भट्ट के पिताजी का नाम क्या है?

A) बेनी माधव भट्ट B) बेनी प्रसाद भट्ट

C) विष्णु भट्ट D) शिव प्रसाद भट्ट

5. बालकृष्ण भट्ट की माताजी का नाम क्या है?

A) लक्ष्मी देवी B) पार्वती देवी

C) गीता देवी D) सरस्वती देवी

6. बालकृष्ण भट्ट की भाषा कौन-कौन सी है?

A) हिंदी और अंग्रेज़ी B) हिंदी, उर्दू

C) हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी, फारसी D) हिंदी, तेलुगु

7. बालकृष्ण भट्ट पेशा से क्या-क्या थे?

A) पत्रकार, नाटककार, उपन्यासकार, निबंधकार

B) केवल उपन्यासकार

C) केवल नाटककार

D) केवल पत्रकार

8. बालकृष्ण भट्ट किस युग के लेखक हैं?

A) छायावाद युग B) रीतिकाल

C) भारतेन्दु युग D) आधुनिक युग

9. बालकृष्ण भट्ट ने प्रारंभ में किस विषय का अध्ययन किया?

A) अंग्रेजी B) संस्कृत

C) गणित D) दर्शन

10. बालकृष्ण भट्ट ने प्रयाग के मिशन स्कूल से एंट्रेस की परीक्षा कब दी?

A) 1860 B) 1867

C) 1870 D) 1880

11. बालकृष्ण भट्ट ने कब से कब तक प्रयाग के मिशन स्कूल में अध्यापन का कार्य किया?

A) 1860 से 1865 B) 1869 से 1875

C) 1870 से 1880 D) 1855 से 1860

12. इन्होंने प्रयाग के सी.ए.वी. स्कूल में संस्कृत का अध्यापन कब किया?

A) 1870 B) 1880

C) 1885 D) 1890

13. 1888 में बालकृष्ण भट्ट प्रयाग के किस इंटर कॉलेज में अध्यापक रहे?

A) कायस्थ पाठशाला इंटर कॉलेज B) मिशन इंटर कॉलेज

C) हिन्दू इंटर कॉलेज D) सेंट जोसेफ इंटर कॉलेज

14. बालकृष्ण भट्ट ने किनकी प्रेरणा से 1877 में हिंदी प्रदीप पत्र निकालना प्रारंभ किया?

A) आचार्य रामचंद्र शुक्ल B) भारतेंदु हरिशचंद्र

C) प्रतापनारायण मिश्र D) महावीर प्रसाद द्विवेदी

15. बालकृष्ण भट्ट ने किस पत्रिका का संपादन किया?

A) सरस्वती B) हिंदी मिलाप

C) हिंदी प्रदीप D) भारत भारती

16. 'नूतन ब्रह्मचारी' के रचनाकार कौन हैं?

A) जयशंकर प्रसाद B) बालकृष्ण भट्ट

C) प्रेमचंद D) भारतेंदु हरिशचंद्र

17. 'रेल का विकट खेल' किसकी रचना है?

A) बालकृष्ण भट्ट B) हरिशचंद्र

C) रामचंद्र शुक्ल D) मैथिलीशरण गुप्त

18. आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने बालकृष्ण भट्ट को अंग्रेजी के किस निबंधकार की श्रेणी में रखा है?

A) मैकॉले B) एडिसन और स्टील

C) शेक्सपीयर D) कार्लाइल

19. बालकृष्ण भट्ट को आधुनिक हिंदी आलोचना का जन्मदाता किसने कहा?

A) आचार्य रामचंद्र शुक्ल B) महावीर प्रसाद द्विवेदी

C) रामविलास शर्मा D) डॉ. नामवर सिंह

20. बालकृष्ण भट्ट को अध्ययनशील विद्वान और तीक्ष्ण बुद्धि का आलोचक किसने कहा?

A) रामविलास शर्मा B) रामचंद्र शुक्ल

C) प्रेमचंद D) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

CHHOTI 4 IN 1 CLASSES

21. 'पद्मावती' के रचनाकार कौन हैं?
A) जयशंकर प्रसाद B) बालकृष्ण भट्ट
C) रत्नाकर D) हरिऔध
22. 1886 में बालकृष्ण भट्ट ने किनके 'संयोगिता स्वयंवर' की कठोर आलोचना की?
A) भारतेंदु हरिशचंद्र B) लाला श्रीनिवास दास
C) रामनरेश त्रिपाठी D) प्रतापनारायण मिश्र
23. 'जैसा काम वैसा परिणाम' प्रहसन किसकी रचना है?
A) भारतेंदु हरिशचंद्र B) बालकृष्ण भट्ट
C) प्रेमचंद D) विष्णु खरे
24. बालकृष्ण भट्ट के निबंध लगभग कितने के आस-पास प्रकाशित हैं?
A) 200 B) 500
C) 1000 D) 1500
25. 'रसातल यात्रा' किस लेखक की रचना है?
A) हरिऔध B) बालकृष्ण भट्ट
C) द्विवेदी D) प्रसाद
26. 'भट्ट निबंधमाला' कितने खंडों में प्रकाशित है?
A) 1 B) 2
C) 3 D) 4
27. बातचीत के रचनाकार कौन हैं?
A) जयशंकर प्रसाद B) रामचंद्र शुक्ल
C) बालकृष्ण भट्ट D) प्रेमचंद
28. मनुष्य में ईश्वर प्रदत्त शक्तियों में एक क्या है?
A) दृष्टि शक्ति B) श्रवण शक्ति
C) वाक्शक्ति D) स्पर्श शक्ति
29. रॉबिन्सन क्रूसो ने कितने वर्षों बाद इंसान के मुख से आवाज सुनी?
A) 10 वर्ष B) 14 वर्ष
C) 16 वर्ष D) 20 वर्ष
30. रॉबिन्सन क्रूसो ने पहली बार किसके मुख से आवाज सुनी थी?
A) मंडे B) फ्राइडे
C) सैटरडे D) संडे
31. एडिसन के अनुसार असल बातचीत कितने लोगों के बीच हो सकती है?
A) 1 B) 2
C) 3 D) 4
32. एडिसन के अनुसार चार लोगों की बातचीत क्या बन जाती है?
A) चर्चा B) बहस
C) राम रमौवल D) विवाद
33. हमारी भीतरी मनोवृत्तियाँ क्या दिखलाती हैं?
A) दुख B) रंग
C) नए-नए रंग D) क्रोध
34. जिह्वा को क्या माना गया है?
A) तलवार B) वाक्य
C) कतरनी D) काँटा
35. प्रपंचात्मक संसार का आइना किसे माना गया है?
A) आँखें B) वाणी
C) व्यवहार D) भीतरी मनोवृत्ति
36. "बोलने से ही मनुष्य का साक्षात्कार होता है" — यह किसका कथन है?
A) एडिसन B) स्टील
C) बेन जॉनसन D) बालकृष्ण भट्ट
37. 'बातचीत पथ' किस प्रकार का निबंध है?
A) गंभीर B) ललित
C) आलोचनात्मक D) शोधात्मक
39. क्रोध को काबू करने के लिए हमें किसे काबू करना है?
A) हृदय B) मस्तिष्क
C) जिह्वा D) वाणी
40. मनुष्य के रूप का साक्षात्कार कब होता है?
A) देखने से B) सुनने से
C) बोलने से D) चुप रहने से
41. हमारे मन में जो मवाद या धुँआ जमा रहता है, वह भाप बनकर कैसे निकल पड़ता है?
A) रोने से B) हँसने से
C) बातचीत के जरिये D) ध्यान से
42. किन देश के लोगों में बातचीत करने का हुनर है?
A) एशिया B) यूरोप
C) अफ्रीका D) अमेरिका
43. क्रोध को क्या माना गया है?
A) मित्र B) शत्रु
C) शक्ति D) सहारा
44. 'आर्ट ऑफ कन्वरसेशन' कहाँ के लोगों में सर्वाधिक प्रचलित है?
A) भारत B) अमेरिका
C) यूरोप D) अफ्रीका
45. किसके ना होने से सृष्टि गूंगी प्रतीत होती है?
A) दृष्टि B) वाक्शक्ति
C) चेतना D) जीवन
19. बातचीत से मन किस प्रकार का हो जाता है?
A) भारी B) कुंठित
C) हल्का और स्वच्छ D) थका हुआ
46. बातचीत का उत्तम तरीका क्या है?
A) सबके सामने बोलना B) व्याख्यान देना
C) अवाक् होकर अपने से बात करना D) बहस करना
47. 'बातचीत' किस विधा की रचना है?
A) कविता B) उपन्यास
C) निबंध D) नाटक

CHOTI 4 IN 1 CLASSES